Indian Journal of Modern Research and Reviews

This Journal is a member of the *'Committee on Publication Ethics'*

Online ISSN:2584-184X

Research Paper

भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली की पुनर्कल्पना एवं परिवर्तन का महत्व

रवीश कुमार [1*] , डॉ. वंदना शर्मा [2]

[1] शोधार्थी, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड वि.वि. बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत

[2] राजकीय रज़ा पी.जी. कॉलेज रामपुर, उत्तर प्रदेश, भारत

Corresponding Author: * रवीश कुमार

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.21836281

सारांश

भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली वर्तमान में सामाजिक आर्थिक एवं तकनीकी परिवर्तनों के दौर से गुजर रही है,वैश्वीकरण डिजिटलीकरण और तकनीकी ज्ञान आधारित शिक्षा तथा अर्थव्यवस्था के विकास ने शिक्षा के स्वरूप को व्यापक रूप से प्रभावित किया है | ऐसे परिदृश्य में उच्च शिक्षा प्रणाली की पुनर्कल्पना एवं परिवर्तन करना अत्यंत आवश्यक है प्रस्तुत शोध पत्र में उच्च शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन के महत्व का विश्लेषण किया गया है तथा अध्ययन में यह यह स्पष्ट किया गया है, कि उच्च शिक्षा प्रणाली में पुनर्कल्पना एवं परिवर्तन अत्यंत आवश्यक है जिनके द्वारा उच्च शिक्षा में गुणवत्ता रोजगारपरकता व्यावसायिक पाठ्यक्रम समावेशन नवाचार करना संभव हो सकता है।

Manuscript Info.

- ✓ **ISSN No:** 2584- 184X
- ✓ **Received:** 12-11-2025
- ✓ **Accepted:** 27-12-2025
- ✓ **Published:** 30-12-2025
- ✓ **MRR:3(12):**2025;181-183
- ✓ **©2025, All Rights Reserved.**
- ✓ **Peer Review Process:** Yes
- ✓ **Plagiarism Checked:** Yes

How To Cite this Article

कुमार र, शर्मा वं. भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली की पुनर्कल्पना एवं परिवर्तन का महत्व. Indian J Mod Res Rev. 2025;3(12):181-183.

मुख्य शब्द: उच्च शिक्षा प्रणाली,पुनर्कल्पना,गुणवत्ता एवं तकनीकी/व्यावसायिक पाठ्यक्रम

1. प्रस्तावना

भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी उच्च शिक्षा प्रणाली वाला राष्ट्र है । भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली प्राचीन काल से ही सर्वोपरि रही है यहां विश्व की शिक्षा का कुछ ना कुछ अंश सदैव विद्यमान रहा है प्राचीन काल में उच्च शिक्षा गुरुकुलों आश्रमों से प्रारंभ होकर नालंदा,तक्षशिला,विक्रमशिला जैसे विश्व विख्यात विश्वविद्यालयों द्वारा वेद चिकित्सा खगोल विज्ञान दर्शनशास्त्र शल्य चिकित्सा पद्धति उपनिषद आदि के माध्यम से प्रदान की जाती आ रही है | भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं है बल्कि कौशल नवाचार तकनीकी ज्ञान नैतिकता व्यावसायिक प्रशिक्षण औद्योगिक प्रशिक्षण व्यावसायिक कुशलता आर्थिक एवं समावेशी विकास को प्राप्त करना है जिस कारण से उच्च शिक्षा प्रणाली की पुनर्कल्पना एवं उसमें परिवर्तन करना अत्यंत आवश्यक है |

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी 2023 के आंकड़ों के अनुसार भारत में 1000 से अधिक विश्वविद्यालय हैं जिसमें केंद्रीय विश्वविद्यालय की संख्या 56 से 58 राज्य विश्वविद्यालय 460 से 486 डीम्ड विश्वविद्यालय 124 से 136 तथा निजी विश्वविद्यालय 450 से 480 हैं | भारत की कोई भी शिक्षण संस्था दुनिया की सिर्फ 22 उच्च शिक्षण संस्थानों की सूची में शामिल नहीं है जहां तक आर्थिक लाभ और सुविधा की बात है भारत की स्थिति कई यूरोपीय देशों से बेहतर है फिर भी उच्च शिक्षा प्रणाली का ढांचा मजबूत नहीं है इसके लिए आवश्यक है कि उच्च शिक्षा प्रणाली में वर्तमान समय में 21वीं सदी के समय अनुसार परिवर्तन करना बहुत

© 2025 रवीश कुमार, डॉ.वंदना शर्मा. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

महत्वपूर्ण है । राष्ट्रीय ज्ञान आयोग ने 2020 तक 30% लोगों को विश्वविद्यालय तक लाने के लिए अगले 10 वर्ष में देश भर में 1500 विश्वविद्यालय और करीब 45000 ने कॉलेज खोलने की सिफारिश की राष्ट्रीय मूल्यांकन व प्रत्यापन परिषद नैक 2024 की रिपोर्ट बताती है कि देश में 90 फ़ीसदी कॉलेज एवं 70 फ़ीसदी विश्वविद्यालय का स्तर काफी कमजोर है उच्च शिक्षा प्रणाली के सुधार हेतु कोठारी आयोग प्रोफेसर यशपाल कमेटी आदि का गठन किया गया तथा इसी के आधार पर 1986 में 10 + 2 + 3 ढांचे को अपनाया गया जिसमें महिलाओं अनुसूचित जातियों जनजातीयों पर पढने हेतु समान अवसर से जोर दिया तथा वर्तमान समय में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी NEP 2020 नई शिक्षा नीति 5+3+3+4 ढांचा मातृभाषा में शिक्षा उच्च शिक्षा में 50% गैर और 2030 तक सभी के लिए स्कूली शिक्षा सुनिश्चित करना अनिवार्य रखा गया है |

2. साहित्य समीक्षा

1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी (2023) की रिपोर्ट के अनुसार पाया कि उच्च शिक्षण संस्थानों में निरंतर वृद्धि हो रही है जिसमें 58 486 136 एवं 480 केंद्रीय राज्य डीम्ड तथा निजी विश्वविद्यालय शामिल हैं, जिनकी संख्या लगभग 1000 है इसमें गुणवत्ता आश्वासन प्रत्यापन सहायता एवं डिजिटल प्रशासन पर भी बल दिया गया तथा उच्च शिक्षा में सुधार हुआ।

2. राष्ट्रीय ज्ञान आयोग (2020) की वार्षिक रिपोर्ट से ज्ञात होता है, कि वर्ष 2030 तक 30% लोगों को विश्वविद्यालय की शिक्षा प्राप्त करने के लिए 10 वर्ष के अंदर 2030 तक देश में 1500 नवीन विश्वविद्यालय और करीब 45000 महाविद्यालय खोलने की सिफारिश की तथा इससे नवीन ज्ञान खोज की तकनीक को बढ़ावा मिलने की प्रक्रिया शामिल थी ।

3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) के तहत पाया कि एक विषय को छोड़कर भाषायी एवं बहुविषयक प्रणाली को अपनाया जाए जिसमें व्यावसायिक विषय एवं पाठ्यक्रम को शामिल करने की प्राथमिकता प्रदान की गई उच्च शिक्षा को बहुविषय लचीला शोध उन्मुख एवं व्यवसायिक आधारित बनाने पर इस शिक्षा नीति के तहत बल दिया गया जिससे उच्च शिक्षा को चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण का साधन माना जा सके।

4. सिंह डॉ.जे. डी (2017) ने अपने अध्ययन भारत में उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति एवं चुनौतियां में बताया कि भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली निरंतर कार्यशील रही तथा वर्तमान समय में पहले की अपेक्षा विश्वविद्यालयों की संख्या में 40 गुना वृद्धि हुई तथा महाविद्यालय में 80 गुना वृद्धि हासिल हुई विद्यार्थियों की संख्या में 80 गुना तथा शिक्षकों की संख्या में 30 गुना वृद्धि हुई इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन छात्रों एवं शिक्षकों के लिए अनिवार्य है |

5. फिलिप जी अल्ट वॉच (2016) ने अपने अध्ययन में बताया कि उच्च शिक्षा के वैश्वीकरण रैंकिंग प्रणाली और अनुसंधान उन्मुख विश्वविद्यालय के महत्व पर प्रकाश डाला तथा उनके अनुसार विकासशील देशों को प्रतिस्पर्धात्मक बने रहने के लिए प्रबंधन सुधार एवं अनुसंधान में निवेश बढ़ाने की परम आवश्यकता है |

6. डॉक्टर शराब (2015) ने भारत में उच्च शिक्षा का वर्तमान परिदृश्य एवं जीवन मूल में पाया कि किसी देश के सर्वाधिक विकास हेतु उच्च शिक्षा का योगदान महत्वपूर्ण है तथा उच्च शिक्षा को आर्थिक उत्पादकता के साथ-साथ जीवन मूल्य से जोड़कर रखना चाहिए युवाओं को सफल बनाने के लिए व्यवसायिक डॉक्टर इंजीनियर शिक्षक आदि के साथ उन्हें नैतिक एवं सामाजिक मूल्यों को समाविष्ट करने की जिम्मेदारी भी प्रदान करनी चाहिए |

7. डॉक्टर सिंहवानी (2013) के शोध से स्पष्ट हुआ है, कि उच्च शिक्षा में जीवन मूल्यों का महत्वपूर्ण स्थान है तथा बिना जीवन मूल्य के उच्च शिक्षा ग्रहण करना एवं सर्वांगीण विकास करना असम्भव है |

8. अग्रवाल (2009) ने भारतीय उच्च शिक्षा में संरचनात्मक समस्याओं की पुर्कालपना का अध्ययन किया जिसमें नियामकीए जटिलता गुणवत्ता असमानता एवं वित्तीय कमी को रेखांकित किया इन्होंने संस्थागत स्वायत्ता एवं पारदर्शी प्रशासन को सुधार का आधार माना और समय अनुसार परिवर्तन में बल दिया ।

3. शोध के उद्देश्य

1. भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली की पुनर्कल्पना करना।
2. उच्च शिक्षा प्रणाली के परिवर्तनों को ज्ञात करना।
3. भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता एवं तकनीकी पाठ्यक्रम की पहचान करना।

शोध की परिकल्पना

H1: भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में पुनरकल्पना से सुधार होगा ।

H2: उच्च शिक्षा में परिवर्तन से वर्तमान शिक्षा प्रणाली में भविष्य से संबंधित सुधार होगा।

H3: भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में गुणवत्ता एवं तकनीकी पाठ्यक्रम को शामिल करने से रोजगार प्रथा में वृद्धि होगी ।

4. शोध पद्धति एवं उपकरण

यह शोध पत्र भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली की पुनर्कल्पना एवं परिवर्तन का महत्व एक वर्णनात्मक एवं विश्लेष्णात्मक पद्धति पर आधारित है । इस शोध में प्रयुक्त आंकड़े पूर्णता पुस्तकों शोध पत्रों समाचार पत्रों नीति दस्तावेज सरकारी रिपोर्ट आदि से प्राप्त किए गए हैं जिस कारण यह शोध पूर्णता द्वितीय आंकड़ों पर आधारित मौलिक शोध है |

उच्च शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की आवश्यकता एवं महत्व

1. 1.रटंत एवं प्राचीन शिक्षा प्रणाली के स्थान पर समाज आधारित एवं व्यवहारिक शिक्षा को प्रदान करना।
2. उच्च शिक्षा प्रणाली में तकनीकी स्तर को बढ़ावा देना जिससे कि रोजगार योग्यता का विकास हो और बेरोजगारी को दूर करने में सफलता हासिल हो।
3. भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली के मानकों के अनुसार निरूपित करना चाहिए जिससे वैश्विक प्रतिस्पर्धा हासिल की जा सके।
4. आवश्यकता है कि उच्च शिक्षा प्रणाली में सामाजिक और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करके समावेशन प्रणाली अपनाई जाए।
5. अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए बहुविसायक विश्वविद्यालय की स्थापना की जाए जिससे आधुनिक एवं औद्योगिकरण को बढ़ावा मिले |

भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली वैश्विक अर्थव्यवस्था धन की उत्पत्ति विकास और नवाचार व्यावहारिक वातावरण आर्थिक विकास औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने में अपनी अहम भूमिका प्रदान कर रही है | उच्च

© 2025 रवीश कुमार, डॉ.वंदना शर्मा. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

शिक्षा प्रणाली की पुनर्कल्पना एक आवश्यक तकनीकी परिवर्तन है जो शिक्षा के क्षेत्र में नवीन क्रांति उत्पन्न कर रही है जिसके द्वारा शिक्षा का महत्व दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है तथा प्रत्येक मनुष्य के लिए शिक्षा भोजन के समान आवश्यक मानी जा रही है शिक्षा व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकताओं में शामिल होकर अपना महत्व कायम रखे हुए है।
भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन NEP 2020 के तहत एक विषय कॉलेज को समाप्त कर बहुविषयक विश्वविद्यालय को बढ़ावा दिया गया जिसमें व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी शामिल है एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट ABC के माध्यम से छात्र अपनी शिक्षा को एकत्रित कर सकते हैं तथा कौशल विकास अंतरराष्ट्रीय कारण डिजिटल शिक्षा से जुड़ने का युवाओं के लिए अच्छा मार्गदर्शन है भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुआ है

5. निष्कर्ष

शोध का अध्ययन करने के उपरांत संबंधित विषय से प्राप्त होता है कि भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली की पुनर कल्पना एवं इसमें होने वाले परिवर्तन तभी संभव और सफल हो सकते हैं जब परिवर्तन को केवल नीतिगत स्तर पर ना किया जाए बल्कि संस्था का संस्कृति और कक्षा स्तर पर भी लागू किया जाए जिससे शिक्षा के गुणवत्ता में सुधार होगा साथ ही भारत ज्ञान तकनीक को हासिल करके एक मजबूत एवं विकसित अर्थव्यवस्था बन सकेगा।

उच्च शिक्षा प्रणाली के परिवर्तन में सुझाव ।

- वर्तमान समय में उच्च शिक्षा प्रणाली में बदलाव बहुत ही आवश्यक है वर्तमान युवा पीढ़ी को रोजगार कुशल शिक्षा प्रदान करना आवश्यक है।
- उच्च शिक्षा गुणवत्ता एवं नैतिकता पूर्ण होनी चाहिए तथा किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं पाया जाना चाहिए।
- उच्च शिक्षा एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें व्यवसायिकता के साथ तकनीकी ज्ञान प्रतिस्पर्धा तथा समर्पण को महत्व दिया जाना चाहिए।
- भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में इसका ध्यान रखना चाहिए कि शोध कार्य के लिए संसाधनों की व्यवस्था आवश्यकता अनुसार होनी चाहिए जिससे शोध कर रहे शोधार्थी सफलतापूर्वक शोध कार्य को पूर्ण कर सकें और नैतिक खतरों से भी बचे रहे।
- किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान की सफलता और सफलता शिक्षक शिक्षार्थी और पाठ्यक्रम पर निर्भर होती है इसलिए उच्च शिक्षा प्रणाली में सदैव नवीन एवं व्यवहारिक कार्य कुशलता को देखकर पाठ्यक्रम का चुनाव करना चाहिए।
- उच्च शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल अवसंरचनात्मक का विकास एवं साथ में तकनिकीकरण या कंप्यूटरीकृत डाटा बेस का अनुप्रयोग आवश्यक रूप से अनिवार्य करना चाहिए ।
- उच्च शिक्षा प्रणाली में भाषाओं एवं क्षेत्रीय असमानताओं को काम किया जाना चाहिए जिससे समावेशन उचित रूप से हो सके।

संदर्भ सूची

1. भारत सरकार. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020. नई दिल्ली: शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; 2020.
2. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग. यूजीसी की गाइडलाइन रिपोर्ट एवं शिक्षा निर्देशन. नई दिल्ली: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग; 2023.
3. राष्ट्रीय ज्ञान आयोग. राष्ट्रीय ज्ञान आयोग की रिपोर्ट. नई दिल्ली: भारत सरकार; 2020.
4. सिंह JD. भारत में उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति एवं चुनौतियां. चेतन इंटरनेशनल एजुकेशन जर्नल. 2020 Jul.
5. भारत सरकार. वार्षिक प्रतिवेदन 2015–16: उच्च शिक्षा विभाग. नई दिल्ली: मानव संसाधन विकास मंत्रालय; 2016.
6. Altbach PG. Global Perspectives on Higher Education. Rotterdam: Sense Publishers; 2016.
7. श्रॉफ R. भारत में उच्च शिक्षा का वर्तमान परिदृश्य एवं जीवन मूल्य. In: शिक्षा, व्यवसाय प्रबंधन एवं भारतीय जीवन मूल्य: एक चिंतन, राष्ट्रीय संगोष्ठी कार्यवाही. 2015.
8. सिंह A, वाणी. भारत में उच्च शिक्षा का वर्तमान परिदृश्य एवं जीवन मूल्य. In: Value in Higher Education. 2013.
9. Agarwal P. Indian Higher Education: Envisioning the Future. New Delhi: Sage Publications; 2009.
10. भारत सरकार. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986. नई दिल्ली: मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार; 1986.

Creative Commons (CC) License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.

© 2025 रवीश कुमार, डॉ.वंदना शर्मा. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/